Adobe

20 Years SADRAG

सोनू मोनू
और
चाइल्ड ट्रैफिकिंग

Let Children educate children!
For a Safe & Happy Childhood!

Dear Friends,

I hope this message finds you well.

We are thrilled to introduce you to a groundbreaking initiative that addresses a pressing need in our society: Sonu Monu Comics. This innovative series is designed to educate children about their rights and protection through engaging storytelling.

Sonu Monu Comics follows the adventures of two 12-year-olds, Sonu and Monu, as they navigate critical issues such as child marriage, sexual abuse, child labor, the right to education, and trafficking. Created with the aim of making complex child protection issues accessible and understandable for young readers, this series empowers children with the knowledge and confidence they need to protect themselves and advocate for their rights.

This project was made possible through the collaborative efforts of many dedicated individuals. We extend our deepest gratitude to Roopak Chauhan for conceptualising this innovative project and to Dr. Antara Verma for naming Sonu Monu, the gender neutral characters of comics ensuring inclusivity. Special thanks go to Rahi Publishers for their expertise in transforming these concepts into vibrant and engaging comics. Special thanks are for Sushil Bharti, Mamta Soni, Manoj Pandit and Anita Pandit for their unwavering dedication at every step of the project.

We also wish to recognize graphic designer Ridhima Karwal, who designed the creative stories into a comprehensive set of comics and Anuradha Singh for her role in overseeing the book's development and orchestrating its strategic marketing to ensure it reaches and impacts its audience effectively.

Available in both Hindi and English, Sonu Monu comics are designed to captivate young minds with colorful illustrations and straight forward language, making essential lessons on self-protection and child rights accessible to all. They serve as a valuable resource for children and a powerful tool for educators, NGOs, and libraries, facilitating important conversations and self-learning opportunities in an educational and enjoyable manner.

We are excited about the potential of Sonu Monu Comics to make a meaningful difference in thelives of children across India. By providing this resource freely online, we aim to ensure that every child has access to the knowledge needed to safeguard their well-being and future.

We Thank Adobe Community Fund for supporting this vital cause.

Warm regards,

Dr Mala Bhandari
Founder Director
SADRAG
August 2024

हिम्मतवाले सोनू मोनू

सोनू मोनू और
चाइल्ड ट्रैफिकिंग

मोनू पार्क में झूला झूल रहा था, तभी सोनू दौड़कर आती है और मोनू से कहती है.....

अरे मोनू हमारे मोहल्ले में पुलिस आई है।

वह जो हमारे मोहल्ले से टीना गुम हुई थी ना, उसे पुलिस ढूंढ कर लाई है।

दोनों दौड़ते हुए टीना के घर के पास पहुँच गए जहाँ काफी भीड़ जमा थी।

भीड़ ज्यादा होने के कारण वे दोनों दूर से ही देखने लगे।

लेकिन..... मेरी समझ में ये नहीं आ रहा कि टीना शहर पहुँची कैसे?

अरे पड़ोस वाली शीला आंटी ने मम्मी को बताया था कि टीना के मुंह बोले मामा पहले उसे महंगे कपड़े और पर्स लाकर देते थे।

फिर एक दिन वो टीना की माँ से कहने लगे.....

तुम टीना को मेरे साथ शहर भेज दो। वहां इसकी नौकरी लग जाएगी और ये तुम्हारे लिए पैसे भी भेजती रहेगी।

टीना की माँ ने मामा की बातों पर विश्वास कर लिया और उसे शहर भेज दिया। शहर ले जाने के बाद टीना के बारे में कुछ भी पता नहीं चला।

फिर टीना कैसे मिली?

अरे..... उसे एक घर में बंद करके रखा था।

घर का काम करना, मालिक के बच्चे को संभालना, पता नहीं क्या क्या कराते थे उससे।

फिर?

फिर क्या! एक दिन टीना घर से भाग गई और सड़क पर भूखी-प्यासी पुलिस को रोते हए मिली।

सोनू और मोनू भीड़ से निकलकर उस जगह पहुँच गए, जहाँ पुलिस अंकल और सदरग की रेखा मैम कुछ बता रहे थे।

देखा आपने! टीना,बहादुर है कि वह मिल गई। उसके मामा ने तो उसे पैसों के लिए बेच ही दिया था। इसको चाइल्ड ट्रैफिकिंग कहते हैं।

देखो! इस तरह का काम दो तरह के लोग करते हैं, एक वे जो हमारे खास रिश्तेदार होते हैं और दूसरे बाहरी लोग जो आपके बच्चों पर.....

...निगाह रखते हैं। ऐसे लोग किसी काम के बहाने आपके गाँव के आस पास आकर रहते हैं, जिससे बच्चों को बहला-फुसलाकर यहाँ से ले जा सकें।

पुलिस अंकल ने थोड़ा डांटते हुए कहा....

आप सब इतनी जिम्मेदारी लें कि आपके बच्चे सुरक्षित रहे।

किसी भी अंजान क्यक्ति के साथ अपने बच्चे को बाहर ना भेजें।

बच्चों की तस्करी के लिए पूरा गिरोह होता है, पहले बच्चे को और उसके परिवार को विश्वास में लिया जाता है, फिर कोई बड़ा सपना दिखाया जाता है.....

जैसे शहर की जिन्दगी और अच्छे काम का लालच..... और फिर शहर ले जाकर कुछ पैसों के लिए बेच दिया जाता है!

आपको पता है बच्चों को क्यों बेचा जाता है?.....

बच्चों से घर या फैक्टरी में काम कराने या भीख मंगवाने या child Pornography के लिए। उनके शरीर के अंगों का व्यापार भी होता है।

यह सुनने के बाद भीड़ में चुप्पी छा गई।

रेखा मैम ने चुप्पी तोड़ी।

यहाँ मैं बच्चों को बताना चाहती हूँ..... अगर कोई इंसान आपको किसी भी तरह का लालच देने कि कोशिश करे, तो सबसे पहले.....

अपने माता-पिता, भाई-बहन, दोस्त या स्कूल टीचर को जरूर बताएँ।

सोनू मोनू ने एक दूसरे की ओर देखते हुए सर हिलाया.....

यहाँ सभी माता-पिता इस बात का ध्यान रखें कि कौन उनके बच्चे से मिल रहा है, निगाह रखें, अगर किसी पर थोड़ा सा.....

...भी शक है तो हमें या हमारी जैसी संस्था को अवश्य बताएं.....

...हम पुलिस के साथ मिलकर पता लगायेंगे और उस पर कार्यवाही करेंगे, क्योंकि बच्चों की तस्करी करना कानूनी जुर्म है।

टीना के माता पिता पुलिस के सामने हाथ जोड़कर रोते हुए.....

वहाँ मौजूद सोनू मोनू ने एक साथ हाथ उठाकर कहा.....

पुलिस अंकल जिन्दाबाद.....

आपका बहुत बहुत धन्यवाद्..... हमें हमारी बच्ची वापस मिल गई, आज आपने हमारी आँखें खोल दी.....!!

जिन्दाबाद..... जिन्दाबाद.....!

और सभी बच्चों के चेहरे पर खुशी छलक आई।

Major Laws on Child Rights in India

1. Juvenile Justice (Care and Protection) Act (amended in 2015)
2. Prohibition of Child Marriage Act 2006
3. Protection of Children from Sexual Offences Act 2012 (POCSO)
4. Child and Adolescent Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986. (amended in 2016)
5. Right to Education Act 2009

What Makes Sonu Monu Comics unique !!

1. Engaging Stories: Short and precise stories narrated through colorful & vibrant pictures & easy to follow language
2. Relatable Characters: Sonu Monu are common and friendly names that the children can easily relate to.
3. Accessible to all: It caters to Hindi as well as English speaking populations and are shared at a pan India level.
4. A versatile resource: A valuable resource for teachers to use in school, NGOs to use in community and libraries to promote self reading. These comics are a perfect resource to trigger discussions and sharing of ideas.
5. Freely Accessible: The comics are available as free online resource that is accessible to all.

हिम्मतवाले सोनू मोनू

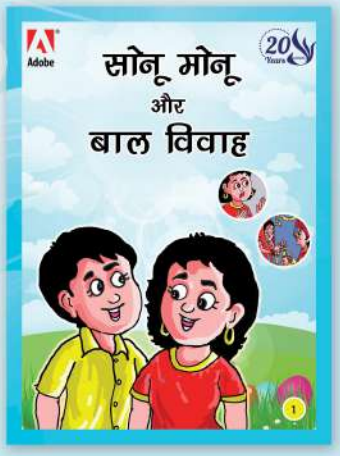

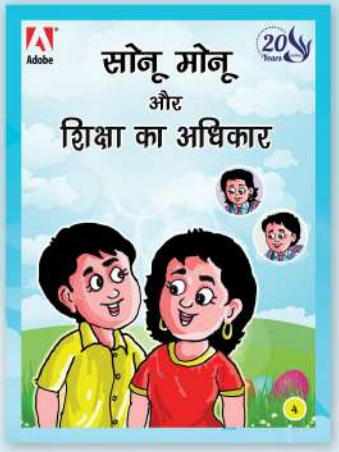

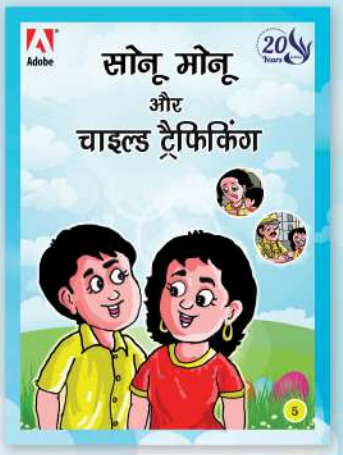

Social And Development Research & Action Group

0120 412 9831

mail@sadrag.org

www.sadrag.org

@CopyrightSADRAG2024